रामायण चौपाइयां (मंगल भवन अमंगल हारी) | By Mukesh Bagda |

हो मंगल भवन अमंगल हारी
द्रवहु सुदशरथ अजर बिहारी

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

दीन दयाल बिराज सम भाई
हरहु नाथ मम संकट भारी

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

हो कलियुग केवल नाम अधारा
सुमिर सुमिर नर उतरहि पारा

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

रघुकुल रीति सदा चली आई
प्राण जाए पर वचन न जाई

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

हो जाकी रही भावना जैसी
प्रभु मूरत देखी तिन तैसी

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

हो मोरे प्रभु तुम गुरु पितु माता
जौं कहौं तजपद जल जासा

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

हो उमा कहे उन्मे अनुभव अपना
सच हरि भजन, जगत सब सपना

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

हो सुनहु उमात लोग अभागी
हरि तज होइ विषय अनुरागी

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

हो जपर कृपा राम की होई

ता पर कृपा करहिं हर कोई

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

हो धीरज, धरम, मित्र अरु नारी
आपत काल परखिए चारी

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

ही तिरहि न बिनु सिए मम स्वामी
राम नमामि नमामि नमामि

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

हरि अनंत, हरि कथा अनंता
कहहिं सुनहिं भजहिं बहु संता

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

हो सिमट सिमट जल भारी है किलावा
बिन सतगुरु सज्जन पाहे आवा

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

हो आगे कहे मृग नयन बनाई
पाछे अंगित मन कुटि लाई

राम सिया राम, सिया राम जय जय राम
राम सिया राम, सिया राम जय जय राम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a4%a3-%e0%a4%9a%e0%a5%8c%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%87%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%b2-%e0%a4%ad%e0%a4%b5%e0%a4%a8/